समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

हवलदार का बेटा बना NDA टॉपर : 18 साल की उम्र मे UPSC NDA 2024 मे पाई ऑल इंडिया 1st रैकं

Publisher

Published on 20 Oct 2025

देशभर के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बनने वाली कहानी आई है पश्चिम बंगाल से। यहाँ के 18 वर्षीय **कैडेट इमोन घोष (Imon Ghosh)** ने **UPSC NDA 2 परीक्षा 2024** में **अखिल भारतीय रैकं 1 (All India Rank 1)** हासिल की है।
यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। इमोन के पिता **भारतीय सेना मे हवलदार (Havildar)** हैं, जिन्होंने अपने बेटे के सपनों को पंख देने में कोई कमी नहीं छोड़ी। आज उनका बेटा वही वर्दी पहनने जा रहा है, लेकिन इस बार एक **सेना अधिकारी (Army Officer)** के रूप में।

हवलदार पिता का सपना – बेटे ने पूरा किया

इमोन घोष के पिता भारतीय सेना में कई वर्षों तक देश की सेवा कर चुके हैं। कठिन परिस्थितियों और अनुशासन से भरे सैन्य जीवन ने परिवार में भी दृढ़ संकल्प की भावना भरी।
इमोन बचपन से ही अपने पिता को यूनिफॉर्म में देखकर प्रेरित होते रहे। जब भी वे अपने पिता को ड्यूटी पर जाते देखते, उनके मन में देशसेवा का जज़्बा और गहराता गया।

इमोन कहते हैं –"मेरे पिता मेरे पहले गुरु हैं। उन्होंने सिखाया कि अगर मन में देश के लिए कुछ करने का भाव है, तो हर मुश्किल आसान लगती है। NDA में चयन सिर्फ मेरी मेहनत नहीं, बल्कि उनके त्याग और प्रेरणा का परिणाम है।"

स्कूल से ही दिखी नेतृत्व क्षमता

इमोन घोष वर्तमान में पश्चिम बंगाल के एक केंद्रीय विद्यालय में 12वीं कक्षा के छात्र हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वे स्कूल के एनसीसी (NCC) विंग में भी सक्रिय रहे हैं।
उनकी नेतृत्व क्षमता और अनुशासन देखकर शिक्षकों को पहले से ही विश्वास था कि इमोन एक दिन बड़ी सफलता हासिल करेंगे।

स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा –“इमोन हमेशा अनुशासित, जिम्मेदार और ईमानदार छात्र रहे हैं। वे न केवल पढ़ाई में अव्वल थे, बल्कि खेल और एनसीसी गतिविधियों में भी शानदार प्रदर्शन करते थे।”

कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास की कहानी

इमोन बताते हैं कि उन्होंने NDA की तैयारी के लिए रोजाना 6-8 घंटे नियमित रूप से पढ़ाई की। उन्होंने गणित, सामान्य ज्ञान, और अंग्रेजी तीनों विषयों पर मजबूत पकड़ बनाई।
ऑनलाइन टेस्ट सीरीज़ और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करना उनके रूटीन का हिस्सा था।

वे कहते हैं –“NDA परीक्षा में सफलता पाने के लिए निरंतरता बहुत जरूरी है। कई बार मन थक जाता है, लेकिन लक्ष्य याद रखो तो सारी थकान मिट जाती है।”

इंटरव्यू मे दिखा आत्मविश्वास

लिखित परीक्षा में सफलता के बाद SSB इंटरव्यू सबसे अहम चरण होता है। इमोन ने पांच दिवसीय इंटरव्यू में अपने नेतृत्व, निर्णय क्षमता और मानसिक मजबूती से अधिकारियों को प्रभावित किया।
वे कहते हैं कि इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद को वास्तविक बनाए रखा और किसी सवाल का दिखावटी जवाब नहीं दिया।

“मैंने सिर्फ वही बोला जो मैं हूं। NDA में सच्चाई और ईमानदारी सबसे बड़ा हथियार है,” – इमोन घोष

परिवार और देश के लिए गौरव का क्षण

NDA परीक्षा में रैंक 1 हासिल करने के बाद घोष परिवार में खुशी का माहौल है। माँ ने कहा –

> “बेटे ने हमारे सपनों को सच कर दिखाया। यह सिर्फ हमारी नहीं, देश के हर सैनिक परिवार की जीत है।”

इमोन अब जल्द ही राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे (National Defence Academy, Pune) में प्रशिक्षण के लिए जाएंगे। वहाँ से पासआउट होने के बाद वे भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में देश की सेवा करेंगे।

देश के युवाओं के लिए प्रेरणा

इमोन घोष की सफलता केवल एक परीक्षा में प्रथम स्थान पाने की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक सैनिक परिवार के अनुशासन, संघर्ष और समर्पण की मिसाल है।
उन्होंने साबित किया कि आर्थिक या सामाजिक पृष्ठभूमि चाहे कैसी भी हो, अगर दृढ़ निश्चय हो तो सफलता निश्चित है।

इमोन देश के उन युवाओं के लिए प्रेरणा हैं जो NDA, CDS या अन्य रक्षा परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

वे कहते हैं –

> “हर भारतीय युवक में देशभक्ति का भाव है। जरूरत है उसे सही दिशा देने की। NDA सिर्फ करियर नहीं, एक मिशन है – मातृभूमि की रक्षा का।

कैडेट इमोन घोष की सफलता इस बात का प्रमाण है कि मेहनत, अनुशासन और परिवार के सहयोग से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।
उनकी यह उपलब्धि न सिर्फ UPSC NDA अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा है, बल्कि हर उस युवा के लिए उदाहरण है जो अपने जीवन में कुछ बड़ा करना चाहता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.